

हिन्दी

Set-1 : 2016
801 CA

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

- (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1
 - डॉ. श्यामसुन्दर दास एक प्रख्यात नाटककार थे।
 - मुंशी प्रेमचन्द एक प्रसिद्ध उपन्यासकार थे।
 - जयप्रकाश भारती आलोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं।
 - 'गुनाहों के देवता' उपन्यास के लेखक कमलेश्वर हैं।
- (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1
 - सूरज का सातवाँ घोड़ा
 - आवारा मसीहा
 - दुनिया रंग-बिरंगी
 - अनाम दास का पोशा।
 - 'लदाख की यात्रा' किस विधा पर आधारित रचना है? 1
 - 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक का नाम लिखिए। 1
 - किसी एक प्रमुख एकांकीकार का नाम लिखिए। 1
- (क) रीतिकाल के किसी एक कवि का नाम लिखिए। 1
 - रीतिकाल की किन्हीं दो मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2
 - प्रयोगवादी काव्यधारा की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2
- निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6
 - ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है उसे फलतः बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी पता लगाना चाहिए कि जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया है, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है? जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा आएगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।
 - उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
 - रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 - ईर्ष्या से बचने के लिए क्या उपाय हैं?
- (ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत एवं अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में ही होता रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियंत्रण भी।
 - उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 - आज विज्ञान मनुष्य को क्या दे रहा है?
- निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1+4+1=6
 - रूपसि तेरा घन-केश-पाश!
श्यामल-श्यामल कोमल-कोमल
लहरता सुरभित केश-पाश!
नभ गंगा की रजतधार में
धो आई क्या इन्हें रात?
कम्पित है तेरे सजल अंग
सिहरा-सा तन है सद्यस्नात!
भीगी अलकों के छोरों से
चूती बूँदें कर विविध लास!
रूपसि तेरा घन-केश पास!
 - स्नेह और श्रद्धा से गाती
है, वीरों की बानी।
बुन्देले हरबोलों के मुख
हमने सुनी कहानी।।
खूब लड़ी मरदानी वह धी
झाँसी वाली रानी।
यह समाधि, यह चिर समाधि-
है झाँसी की रानी की।।
 - (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3
 - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
 - जयप्रकाश भारती
 - पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी।
 - (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का उल्लेख कीजिए : 2+1=3
 - तुलसीदास
 - बिहारीलाल
 - सुभद्रा कुमारी चौहान।
 - निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4
तत्रासीत् एकः महान कक्षः यस्मिन् द्वारं समुन्नतम् आसीत्। तत्रापि कपाटी स्वचालितौ अनावृतौ च अभवताम्। तस्मिन् विस्तीर्णो भवने स्वयंचालितः चित्रपट-कार्यक्रमः प्रचलन् आसीत्। स समाजः बहुसमुन्नतः अतिष्ठत्। तेन महती वैज्ञानिकी प्रगतिः समुपलब्धा। तस्य समाजस्य सर्वाणि कार्याणि स्वचालितानि अभूवन्, किन्तु कष्टं यत् जनबाहुल्येन पोषणाय भोजनं नैव अचाप्तम्।

अथवा

- सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्॥
7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2
(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2
(i) वाराणसी नगरी केषां संगमस्थली अस्ति?
(ii) ज्ञानं कुत्र सम्भवति?
(iii) चन्द्रशेखरः स्वगृहम् कुत्र किम् अवदत्?
(iv) विद्यया केन वर्धते?
8. (क) करुण रस अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) रूपक अथवा उपमा अलंकार की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2
(ग) सोरठा अथवा रोला छन्द का लक्षण लिखकर उदाहरण दीजिए। 2
9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1+1+1=3
(i) अ (ii) अन्
(iii) अधि (iv) उप
(v) निर् (vi) परि।
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2
(i) पन (ii) हट
(iii) वट (iv) त्व
(v) ता।
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1+1=2
(i) चन्द्रवदन (ii) चौपाया
(iii) देश-विदेश (iv) चक्रधर।
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2
(i) खीर (ii) गात
(iii) जीरण (iv) उल्लू
(v) सौ।
(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2
(i) नेत्र (ii) पत्थर
(iii) घर (iv) वर्षा
(v) लता।
10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 2
(i) गुरु + आदेश (ii) लृ + आकृतिः
(iii) महा + ओजः (iv) तथा + एव।
(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप तृतीया विभक्ति, बहुवचन में लिखिए : 1+1=2
(i) नदी अथवा मतिः (ii) पयस् अथवा तद् (स्त्रीलिंग)
(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु का लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2
(i) पठामि (ii) भविष्यति (iii) अपश्यम्।
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1+1=2

- (i) मैं आज वाराणसी जाऊंगा। (ii) दान से कीर्ति बढ़ती है।
(iii) हम दोनों को विद्यालय जाना चाहिए। (iv) सुभाष चन्द्र बोस देशभक्त थे।
11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6
(i) प्रदूषण : एक अभिशाप (ii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप
(iii) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन (iv) बढ़ती जनसंख्या-घटती सुविधाएँ
(v) देशाटन से लाभ।
12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : 3
(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
(घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।
(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की किसी एक प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए।
(ii) 'मातृभूमि' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्रांकन कीजिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग का कथानक लिखिए।
(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

http://www.upboardonline.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से